>

Title : Need to draw the Government's attention towards the demands of the National Confederation of Dalit Organisation.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदय, कल 6 दिसम्बर को बाबा साहेब की पुण्य तिथि देश के कोने-कोने में जानदार और शानदार ढंग से मनाई गयी है। उसी पुण्य तिथि के अवसर पर नेशनल कन्फैडरेशन ऑफ दलित ऑरगेनाइजेशन, नकडोर नाम से एक संस्था है जिसमें देश भर के दलितों के संगठन का महासंघ है। उन लोगों ने अम्बेडकर भवन से संसद के कक्ष तक और जंतर-मंतर तक, दलित सम्मान यात्रा उन लोगों ने की है और माननीय प्रधान मंत्री जी को 80 सूत्री मांगे समर्पित की हैं। उन्होंने दावा किया है कि देश भर में जो दावा किया जा रहा है कि दलितों की बहुत तरक्की हुई है, उसमें दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक सभी शामिल थे, उनका सुधार हुआ है। यह कहा गया है कि इन लोगों का सुधार हुआ है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। अभी तक 14 फीसदी जिनकी आबादी है, इसलिए उन लोगों ने मांग की है। अभी भी वे होम स्टेट लैंड लेस हैं। खेतिहर मजदूर हैं, उनके पास जमीन नहीं है। जीविका के पर्याप्त साधन नहीं हैं। उनको सम्मान भी प्राप्त नहीं है। लगभग 49 परसेंट जल के स्रोत से उन्हें पानी पीने की इजाजत नहीं है, गांवों से विद्वानों ने यह रिपोर्ट जारी की है। इसलिए उन्होंने 80 सूत्री मांग प्रधानमंत्री जी से की है। सरकार से आग्रह है कि दलितों का सामाजिक, आर्थिक सुधार हो, तरक्की हो। उनका विकास हो। सरकार सकारात्मक रूप से ध्यान दे और जो कार्यवाही धोखे की तरह है, उससे मुक्त किया जाए, नहीं तो देश का बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। यही बाबा साहब अम्बेडकर, महात्मा गांधी, बाबू जयप्रकाश और डाक्टर लोहिया आदि सभी महापुरुषों का सपना था। जब तक दलित लोग समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित नहीं होंगे, हिंदुस्तान मजबूत नहीं होगा, इसलिए गंभीरता से सरकार इस बारे में कार्यवाही करे। धन्यवाद।